Newspaper	Page No.	Date
Dainik Bhaskar		07-04-2014

पशु को दुधारू बनाने बताए गए गुर

भास्कर न्यूज | सिंगरौली (वैढ़न)

नगवां गांव की निवासी सुन्दरी को अपनी इकलौती गाय की कमजोरी एवं कम दूध देने का कारण समझ में नहीं आ रहा था। किन्तु जब उन्होंने लाउडस्पीकर पर की जा रही मुनादी से गांव में आयोजित होने वाले पशु महाशिविर के बारे में सुना तो उनके मन में आशा जगी कि यही अवसर है जहां पर अपनी दुलारी गाय लाली के बारे में जानकारी एवं उपचार प्राप्त किया जा सकता है।

ग्राम नगवां, खैराही, कर्सुआलाल, कर्सुआराजा, मलगा, बंधौरा एवं अन्य गांवों के सैकड़ों किसान बड़ी संख्या में अपने घरेलू पशुओं के साथ शिविर में आये जिनमें सुन्दरी देवी भी शामिल थीं। शिविर में पशु पालन विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डीपी सिंह एवं डॉ. सुमंत वर्मा द्वारा पशुओं की जांच एवं इलाज किया जा रहा था। डा. सिंह ने सुन्दरी की गाय

लाली के स्वास्थ्य की जांच कर उचित आहार पोषण संबंधी जानकारी दी। अतिरिक्त पोषण हेतु दवाई दी गई तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिये टीका भी लगाया। सुन्दरी देवी किये गये उपचार से संतुष्ट हुई तथा उन्होने कहा कि इससे पहले लाली को कभी कोई टीका या दवा नहीं मिली और मुझे उम्मीद है कि जो दवाई दी गई है उससे मेरी लाली की सेहत मे सुधार होगा। शिविर में दो चिकित्सक तथा छः सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे जिनके द्वारा एक ओर जहां पशुओं का टीकाकरण किया जा रहा था वहीं दूसरी तरफ पशुओं का उपचार कर दवाई दी जा रही थी। ग्राम खैराही के सरपंच सुभाष जायसवाल ने कहा कि इस क्षेत्र में इतने उच्च स्तर पर पशु चिकित्सा से संबंधित शिविर पहले कभी भी आयोजित नहीं किये गये है। इस मौके पर पशु पालन विभाग के उप निदेशक यूपी सिंह भी उपस्थित थे। डॉ. वर्मा की राय में इस क्षेत्र में बकरियों की संख्या काफी अच्छी है किन्तु दूध के बेहतर उत्पादन के लिये जमुनापारी नस्ल की बकरियों का पालन किया जाना चाहिये। शिविर में आये ज्यादातर पशु क्रीमी संक्रमण, कुपोषण, अगलैक्टिया एवं बाहरी कीड़ों का संक्रमण से पीड़ित थे। चिकित्सकों द्वारा उक्त बीमारियों के इलाज के लिये दवाएं दी गई तथा में कई पशुओं का बंधियाकरण भी किया गया।